# एम.ए. राजस्थानी
# (सेमेस्टर प्रणाली)

## सत्र – 2025–26

## राजस्थानी विभाग

# Syllabus

**M.A. Sem.I & II (2025-26)**

**M.A. Sem.III & VI (2026-27)**

# महाराजा गंगा सिंह विश्वविद्यालय
## बीकानेर

## पृष्ठभूमि

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग ने उच्च शिक्षा संस्थानों के पाठ्यक्रमों को राष्ट्रीय शिक्षा नीति के आलोक में तैयार करने के स्पष्ट दिशा–निर्देश दिए हैं।

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग का मानना है कि भविष्य की आवश्यकताओं और संभावनाओं को मद्देनजर रखते हुए प्रत्येक विश्वविद्यालय अपनी पाठ्यचर्या कुछ इस तरह से निर्मित करें कि राष्ट्र को जानकार, प्रबुद्ध, कौशल सम्पन्न और विवेकवान नागरिक मिलें।

यह पाठ्यक्रम राष्ट्रीय शिक्षा नीति (2020) की सुझाई राह पर चलने व गतिशील होने की भावना से परिपूरित है। आज राष्ट्र को ऐसे नागरिकों की आवश्यकता है कि जो अन्तर–अनुशासनिक अध्ययनों से सम्पन्न हो, मूल्यदृष्टि से परिपूर्ण, आलोचनात्मक विवेक से संचालित, जीवन कौशल में प्रवीण, उद्यमशील, नवाचार के लिए उत्सुक, संवैधानिक मूल्यों के लिए समर्पित खोज, संवाद और विश्लेषण की भावना से भरे, परिपक्व स्वदेशी एवं भारतीय ज्ञान प्रणाली के महत्त्व को समझने वाले, राष्ट्रीयता और आधुनिकता का संगम हो। हमारी शिक्षा छात्रकेन्द्रित, सहभागिता प्रधान, सक्रियता और संवेदनशीलता के साथ सीखने के आनंद से गहरी जुड़ी हो।

पाठ्यक्रम के विभिन्न पहलू देशज ज्ञान, शिल्प, उद्योग और सांस्कृतिक परम्पराओं के साथ छात्र के भारतबोध को परिपुष्ट करने वाले हों।

**कार्यक्रम के परिणाम (पीओ)**

कला संकाय में परास्नातक पाठ्यक्रम पूरा करने पर, छात्रों को इसका एहसास हो सकेगा।

निम्नलिखित परिणाम :

| | **विवरण** |
|---|---|
| PO-1 | छात्र अपने देश, समाज के साथ–साथ स्वयं को भी समझें और जागरूक रहें। नैतिक समस्याएँ, सामाजिक अधिकार, मूल्य और स्वयं तथा दूसरों के प्रति उत्तरदायित्व की भावना से परिपूरित हों। |
| PO-2 | विविध विषयों की आलोचनात्मक समझ प्रदर्शित करें। उनके भिन्न–भिन्न रूपों में अन्तर्निहित ज्ञान एवं संवेदना को समझें। |
| PO-3 | रचनात्मक और आलोचनात्मक अंतर्दृष्टि, सौंदर्य संवेदनशीलता, विश्लेषणात्मक कौशल और अंतर्दृष्टि. को विकसित करें। |
| PO-4 | भाषाओं एवं साहित्य में नवाचारों और विकास की प्रक्रिया को समझें। जीवन भर सीखने में संलग्न रहने की प्रवृत्ति का बोध विकसित कर सकें। |
| PO-5 | मानविकी और सामाजिक विज्ञान में उपलब्ध सिद्धांतों, अवधारणाओं और अनुसंधान विधियों का ज्ञान विकसित करें। |
| PO-6 | साहित्य के विविध रूपों यथा – मौखिक, लिखित को प्रभावी ढंग से न केवल समझें वरन् तकनीक एवं अन्य माध्यमों से उनके साथ संवाद भी करें। |
| PO-7 | सूचना के प्राथमिक और द्वितीयक स्रोतों तक कैसे पहुँचें एवं अन्तर–अनुषासनिक विश्लेषण के माध्यम से ज्ञान के केन्द्र तक की यात्रा रचनात्मक अनुष्ठान से सम्पन्न करें। |
| PO-8 | अनुसंधान की विविध विधियों का बोध हो। |
| PO-9 | ऐसी मूल्य दृष्टि का विकास करें जिससे विविधता के प्रति आकर्षण और समाज के उत्थान में हमारे योगदान का स्वमूल्यांकन किया जा सके। |
| PO-10 | सम्प्रेषण कौशल एवं ज्ञानात्मक एवं वैज्ञानिक सोच के दायरे को बढ़ाया जा सके और उसे समुन्नत भी किया जा सके। |
| PO-11 | अनुसंधान की परम्परागत प्रणालियों में तकनीक के प्रवेष और प्रभाव से विश्लेषण की नवीन पद्धतियों का आत्मसातीकरण हो। |
| PO-12 | शिक्षण कौशल के विकास के साथ–साथ पठन–पाठन हेतु नवीन विधियों की खोज का मार्ग प्रषस्त हो। |
| PO-13 | सक्षम नागरिक विवेक और भारतीय आदर्शों को बढ़ावा देने वाले हो। |
| PO-14 | भाषा के समुचित आयामों का स्पर्श करते हुए वैज्ञानिक दृष्टि से उसमें व्याप्त संभावनाओं की तलाश का क्रम जारी रख सकें। |

**शिक्षण अधिगम प्रक्रिया**

- व्याख्यान
- चर्चाएँ
- सहभागी शिक्षण
- पारस्परिक सत्र
- सेमीनार
- अनुसंधान–आधारित शिक्षण : निबंध या परियोजना कार्य
- प्रौद्योगिकी–आधारित शिक्षण

**परास्नातक के गुण**

अन्तर अनुशासनात्मक ज्ञान

रचनात्मक और आलोचनात्मक विचार

चिंतन

समस्या निदान

विश्लेषणात्मक तर्क

संप्रेषण कौशल

अनुसंधान कौशल

जीवन कौशल

बहुसांस्कृतिक क्षमता

नैतिक मूल्य

आजीवन सीखना

वैश्विक योग्यता

परम्परगत ज्ञान प्रणाली के प्रति सजगता/देशज ज्ञान व्यवस्था

## पाठ्यक्रम संरचना

## सेमेस्टर – प्रथम

| Sr. No. | Course Title | Course Code | L | T | P | Credits | Marks (Est+Inst) | Min. Passing Marks% | Hours in a week |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| **Ability Enhancement Course** | | | | | | | | | |
| (i) | राजस्थानी साहित्य एवं संस्कृति का व्यवहारिक अध्ययन | AEC-T101 | 6.5 | 2 | 0 | 2 | | Non - CGPAS/ NS | 2 |
| **Displine Centric Compulsory Course** | | | | | | | | | |
| (1) | प्राचीन राजस्थानी काव्य | Raj-DCC-102 | 6.5 | 5 | 1 | 6 | 150 (120+30) | 36 | 6 |
| (2) | प्राचीन राजस्थानी गद्य | Raj-DCC-103 | 6.5 | 5 | 1 | 6 | 150 (120+30) | 36 | 6 |
| (3) | राजस्थानी भाषा का इतिहास | Raj-DCC-104 | 6.5 | 5 | 1 | 6 | 150 (120+30) | 36 | 6 |
| (4) | राजस्थानी लोक साहित्य | Raj-DCC-105 | 6.5 | 5 | 1 | 6 | 150 (120+30) | 36 | 6 |
| TOTAL CREDITS | | | | | | 26 | | | |
| TOTAL MAXIMUM MARKS | | | | | | | 600 | | |

# सेमेस्टर – द्वितीय

| Sr. No. | Course Title | Course Code | L | T | P | Credits | Marks (Est+Inst) | Min. Passing Marks% | Hours in a week |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| **Ability Enhancement Course** | | | | | | | | | |
| (ii) | राष्ट्रीय एवं मानव मूल्य | AEC-T201 | 6.5 | 2 | 0 | 2 | | Non - CGPAS/ NS | 2 |
| **Displine Centric Compulsory Course** | | | | | | | | | |
| (5) | मध्यकालीन राजस्थानी काव्य | Raj-DCC-202 | 6.5 | 5 | 1 | 6 | 150 (120+30) | 36 | 6 |
| (6) | मध्यकालीन राजस्थानी गद्य | Raj-DCC-203 | 6.5 | 5 | 1 | 6 | 150 (120+30) | 36 | 6 |
| (7) | राजस्थानी साहित्य का इतिहास | Raj-DCC-204 | 6.5 | 5 | 1 | 6 | 150 (120+30) | 36 | 6 |
| (8) | राजस्थानी संत साहित्य एवं लोक देवी–देवता | Raj-DCC-205 | 6.5 | 5 | 1 | 6 | 150 (120+30) | 36 | 6 |
| TOTAL CREDITS | | | | | | 26 | | | |
| TOTAL MAXIMUM MARKS | | | | | | | 600 | | |

## सेमेस्टर – तृतीय

| Sr. No. | Course Title | Course Code | L | T | P | Credits | Marks (Est+Inst) | Min. Passing Marks% | Hours in a week |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| **Ability Enhancement Course** | | | | | | | | | |
| (iii) | Basic Communication Skills<br>or<br>Basic Computer Course<br>or<br>Seminar + Academic Writing | AEC-T301 | 6.5 | 2 | 0 | 2 | | Non - CGPAS/ NS | 2 |
| **Displine Centric Compulsory Course** | | | | | | | | | |
| (9) | आधुनिक राजस्थानी काव्य | Raj-DCC-302 | 6.5 | 5 | 1 | 6 | 150 (120+30) | 36 | 6 |
| (10) | आधुनिक राजस्थानी गद्य : उपन्यास एवं कहानी | Raj-DCC-303 | 6.5 | 5 | 1 | 6 | 150 (120+30) | 36 | 6 |
| (11) | भारतीय काव्यशास्त्र | Raj-DCC-304 | 6.5 | 5 | 1 | 6 | 150 (120+30) | 36 | 6 |
| (12) | राजस्थानी लोक संस्कृतिक, कला एवं संस्कार | Raj-DCC-304 | 6.5 | 5 | 1 | 6 | 150 (120+30) | 36 | 6 |
| **Displine Specific Elective Course** | | | | | | | | | |
| (13) | विशिष्ट साहित्यकार गणेशलाल व्यास 'उस्ताद'<br>**अथवा**<br>मीरां बाई | Raj-DCC-305 (A)<br>or<br>Raj-DCC-305 (B) | 6.5 | 5 | 1 | 6 | 150 (120+30) | 36 | 6 |
| TOTAL CREDITS | | | | | | 26 | | | |
| TOTAL MAXIMUM MARKS | | | | | | | 600 | | |

## सेमेस्टर – चतुर्थ

| Sr. No. | Course Title | Course Code | L | T | P | Credits | Marks (Est+Inst) | Min. Passing Marks% | Hours in a week |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| **Ability Enhancement Course** | | | | | | | | | |
| (iv) | General Health and Hygine | AEC-T401 | 6.5 | 2 | 0 | 2 | | Non - CGPAS/ NS | 2 |
| **Displine Centric Compulsory Course** | | | | | | | | | |
| (14) | आधुनिक राजस्थानी कविता | Raj-DCC-402 | 6.5 | 5 | 1 | 6 | 150 (120+30) | 36 | 6 |
| (15) | आधुनिक राजस्थानी गद्य – निबन्ध एवं नाटक | Raj-DCC-403 | 6.5 | 5 | 1 | 6 | 150 (120+30) | 36 | 6 |
| (16) | पाश्चात्य काव्य शास्त्र एवं पाठालोचन | Raj-DCC-404 | 6.5 | 5 | 1 | 6 | 150 (120+30) | 36 | 6 |
| **Displine Specific Elective Course** | | | | | | | | | |
| (17) | विशिष्ट साहित्यकार ईसरदास बारहठ **अथवा** भक्तिमति समान बाई | Raj-DCC-405 (A) or Raj-DCC-405 (B) | 6.5 | 5 | 1 | 6 | 150 (120+30) | 36 | 6 |
| (18) | निबन्ध **अथवा** लघुशोध **अथवा** पाठ सम्पादन | Raj-DCC-406 (A) or Raj-DCC-406 (B) or Raj-DCC-406 (C) | 6.5 | 5 | 1 | 6 | 150 (120+30) | 36 | 6 |
| | | | | | | | | | |
| TOTAL CREDITS | | | | | | 26 | | | |
| TOTAL MAXIMUM MARKS | | | | | | | 600 | | |

# एम.ए. राजस्थानी सेमेस्टर – प्रथम

## सत्र 2025–26

## राजस्थानी साहित्य एवं संस्कृति (सैद्धान्तिक एवं व्यवहारिक अध्ययन)

### कोर्स कोड – AEC-T-101

**उद्देश्य :**

इस पाठ्यक्रम से छात्र का राजस्थानी साहित्य एवं संस्कृति सम्बन्धी अवधारणात्मक बोध विकसित होगा। छात्र राजस्थानी साहित्य एवं संस्कृति के अध्ययन की आवश्यकता के साथ स्वरूप से अपना सम्बन्ध स्थापित कर सकेगा।

विभिन्न भारतीय भाषाओं के श्रेष्ठ साहित्य से छात्र का परिचय बढ़ेगा।

राजस्थानी साहित्य एवं संस्कृति की विशेषताओं एवं अध्ययन में आने वाली कठिनाइयों का परिचय प्राप्त करते हुए भारत की सामाजिक, सांस्कृतिक, भाषिक स्थिति और भारत की विविधवर्णी साहित्यिक परम्पराओं से परिचित हो सकेगा।

**परिणाम :**

इस पाठ्यक्रम के अध्ययनोपरान्त छात्र में राजस्थानी साहित्य एवं संस्कृतिक परम्पराओं के परम्पर आदान–प्रदान, एकता के सूत्र और वैशिष्ट्य के बोध का विकास होगा।

प्रतिनिधि भारतीय रचनाकारों की विशिष्ट कृतियों के साथ रागात्मक सम्बन्ध बढ़ेगा।

**परीक्षा एवं मूल्यांकन योजना :**

यह एक Non CGPA Course है। अतः विश्वविद्यालय द्वारा सैद्धान्तिक परीक्षा आयोजित नहीं की जायेगी। केवल महाविद्यालय स्तर पर छात्र का सतत आन्तरिक मूल्यांकन होगा और सत्रांत में एक आन्तरिक वाक्परीक्षा (Viva) करके मात्र ''सन्तोषजनक'' या ''असन्तोषजनक'' प्रत्यय (क्रेडेंशियल्स) ही विश्वविद्यालय को प्रेषित किया जायेगा।

# एम.ए. राजस्थानी

## सेमेस्टर प्रथम

**सत्र 2025–26**

**सेमेस्टर – प्रथम (Semester – I Rajasthani)**

प्रश्न पत्र प्रथम– **प्राचीन राजस्थानी काव्य**

**कोर्स कोड – RAJ-DCC-T-102**

**समयः– 3 घण्टे** **पूर्णांकः– 120+30**

**अंकन योजना**

यह योजना 150 अंकों की होगी। योजना निम्नलिखित है:

**राजस्थानी कार्यक्रमों के लिए**

30 आंतरिक + 120 सैद्धांतिक = कुल 150

**परीक्षा का प्रारूप**

इस पाठ्यक्रम में 5 इकाइयाँ होंगी। प्रश्न पत्र में तीन खंड होंगे।

खंड A (20 अंक): इसमें 10 प्रश्न होंगे, प्रत्येक इकाई से दो प्रश्न। प्रत्येक प्रश्न 2 अंकों का होगा। सभी प्रश्न अनिवार्य होंगे। खंड A को इस प्रकार तैयार किया जाएगा कि प्रश्न i से v बहुविकल्पीय प्रश्न होंगे, जबकि प्रश्न vi से x रिक्त स्थान की पूर्ति भरने वाले प्रश्न होंगे।

खंड B (40 अंक)': इसमें 5 प्रश्न होंगे (प्रत्येक इकाई से दो प्रश्न आंतरिक विकल्प के साथ)। प्रत्येक प्रश्न 8 अंकों का होगा। परीक्षार्थियों को सभी 5 प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। उत्तर 200 शब्दों से अधिक नहीं होना चाहिए।

खंड C (60 अंक)': इसमें 5 प्रश्न होंगे, प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न। प्रत्येक प्रश्न 20 अंकों का होगा। परीक्षार्थियों को किसी भी तीन प्रश्नों का उत्तर देना होगा, इन तीन प्रश्नों को विभिन्न इकाइयों से चुनना होगा। उत्तर 400 शब्दों से अधिक नहीं होना चाहिए।

**अध्ययन क्षेत्र**

1. प्राचीन राजस्थानी काव्य परंपरा का अध्ययन।
2. मध्यकालीन राजस्थानी काव्य परंपरा का अध्ययन।
3. भक्ति परक रचनाओं एवं रचनाकारों का विशिष्ट अध्ययन ।
4. प्राचीन रचनाओं एवं वीर रसात्मक रचनाओं का विशिष्ट अध्ययन ।

**पाठ्यपुस्तकें**

ढोला मारू रा दूहा : सं. त्रय ठा. रामसिंह, नरोत्तमदास स्वामी, सूर्यकरण पारीक

रणमल्ल छंद : (सं.) मूलचन्द प्राणेश, भारतीय विद्या मंदिर शोध प्रतिष्ठान, बीकानेर।

**प्रथम इकाई**

प्राचीन राजस्थानी काव्य परंपरा का अध्ययन।

**द्वितीय इकाई**

रणमल्ल छंद –श्रीधर व्यास से व्याख्या

**तृतीय इकाई**

ढोला मारू रा दूहा से व्याख्या।

**चतुर्थ इकाई**

रणमल्ल छंद श्रीधर व्यास व्यक्तित्व, कृतित्व एवं आलोचनात्मक अध्ययन।

**पंचम इकाई**

ढोला मारू रा दूहा से आलोचनात्मक अध्ययन

**अभिप्रस्तावित ग्रंथ**


1. ढोला मारू रा दूहा : सं. त्रय ठा. रामसिंह, नरोत्तमदास स्वामी, सूर्यकरण पारीक
2. रणमल्ल छंद : (सं.) मूलचन्द प्राणेश, भारतीय विद्या मंदिर शोध प्रतिष्ठान, बीकानेर।
3. प्राचीन काव्य रूपों की परम्परा : अगरचन्द नाहटा, भारतीय विद्या मंदिर शोध प्रतिष्ठान, बीकानेर
4. वेलि क्रिसण रुकमणी री : आनन्द प्रसाद दीक्षित
5. वेलि क्रिसण रुकमणी री : डॉ. पुरुषोत्तम आसोपा, बीकानेर
6. राजस्थानी की श्रेष्ठ कृतियां : माधोसिंह इन्दा
7. कीरत रा बखाण : डॉ. नमामीशंकर आचार्य, बीकानेर

## द्वितीय प्रश्न पत्र : प्राचीन राजस्थानी गद्य
## कोर्स कोड – RAJ-DCC-T-103

**समयः– 3 घण्टे** **पूर्णांकः– 120+30**

**अंकन योजना**
यह योजना 150 अंकों की होगी। योजना निम्नलिखित हैः
**राजस्थानी कार्यक्रमों के लिए**

30 आंतरिक + 120 सैद्धांतिक = कुल 150

**नोट :** इस प्रश्न पत्र में 3 खण्ड निम्न प्रकार होंगे –
**परीक्षा का प्रारूप**
इस पाठ्यक्रम में 5 इकाइयाँ होंगी। प्रश्न पत्र में तीन खंड होंगे।
खंड A (20 अंक): इसमें 10 प्रश्न होंगे, प्रत्येक इकाई से दो प्रश्न। प्रत्येक प्रश्न 2 अंकों का होगा। सभी प्रश्न अनिवार्य होंगे। खंड A को इस प्रकार तैयार किया जाएगा कि प्रश्न i से v बहुविकल्पीय प्रश्न होंगे, जबकि प्रश्न vi से x रिक्त स्थान की पूर्ति भरने वाले प्रश्न होंगे।
खंड B (40 अंक)': इसमें 5 प्रश्न होंगे (प्रत्येक इकाई से दो प्रश्न आंतरिक विकल्प के साथ)। प्रत्येक प्रश्न 8 अंकों का होगा। परीक्षार्थियों को सभी 5 प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। उत्तर 200 शब्दों से अधिक नहीं होना चाहिए।
खंड C (60 अंक)': इसमें 5 प्रश्न होंगे, प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न। प्रत्येक प्रश्न 20 अंकों का होगा। परीक्षार्थियों को किसी भी तीन प्रश्नों का उत्तर देना होगा, इन तीन प्रश्नों को विभिन्न इकाइयों से चुनना होगा। उत्तर 400 शब्दों से अधिक नहीं होना चाहिए।

**अध्ययन क्षेत्र**
1. प्राचीन राजस्थानी गद्य परंपरा का अध्ययन।
2. मध्यकालीन राजस्थानी गद्य परंपरा का अध्ययन।
3. वचनिका परम्परा का अध्ययन।
4. राजस्थानी वात परम्परा का अध्ययन।
5. राजस्थानी वात परम्परा की समृद्ध एवं विस्तृत रचनाओं का अध्ययन।

**पाठ्यपुस्तकें**
1. अचलदास खीची री वचनिका – शिवदास गाडण : (सं.) भूपतिराम साकरिया, पंचशील प्रकाशन, जयपुर।
2. जगदेव पंवार री बात : (सं.) डॉ. महावीर सिंह गहलोत, राजस्थान साहित्य मंदिर, जोधपुर ।

**प्रथम इकाई**
प्राचीन राजस्थानी गद्य परंपरा का अध्ययन।
**द्वितीय इकाई**
अचलदास खींची री वचनिका से व्याख्या।
**तृतीय इकाई**
जगदेव पंवार री बात से व्याख्या।
**चतुर्थ इकाई**
अचलदास खीची री वचनिका शिवदास गाडण से आलोचनात्मक अध्ययन
**पंचम इकाई**
जगदेव पंवार री बात से आलोचनात्मक अध्ययन।

**अभिप्रस्तावित ग्रंथ**

1. अचलदास खीची री वचनिका : (सं.) भूपतिराम साकरिया, पंचशील प्रकाशन, जयपुर।
2. जगदेव पंवार री बात : (सं.) डॉ. महावीर सिंह गहलोत, राजस्थान साहित्य मंदिर, जोधपुर ।
3 राजस्थानी वात संग्रह (स.) डॉ. मनोहर शर्मा, प्रकाशक : साहित्य अकादमी, नई दिल्ली।
4 राजस्थानी वचनिकाएं – आतमशाद खान – राजस्थान साहित्य अकादमी (संगम), उदयपुर

## तृतीय प्रश्न पत्रः
## राजस्थानी भाषा का इतिहास
## कोर्स कोड – RAJ-DCC-T-104

**समयः– 3 घण्टे** **पूर्णांकः– 120+30**

**अंकन योजना**
यह योजना 150 अंकों की होगी। योजना निम्नलिखित है:
**राजस्थानी कार्यक्रमों के लिए**

30 आंतरिक + 120 सैद्धांतिक = कुल 150

**नोट :** इस प्रश्न पत्र में 3 खण्ड निम्न प्रकार होंगे –
**परीक्षा का प्रारूप**
इस पाठ्यक्रम में 5 इकाइयाँ होंगी। प्रश्न पत्र में तीन खंड होंगे।

खंड A (20 अंक): इसमें 10 प्रश्न होंगे, प्रत्येक इकाई से दो प्रश्न। प्रत्येक प्रश्न 2 अंकों का होगा। सभी प्रश्न अनिवार्य होंगे। खंड A को इस प्रकार तैयार किया जाएगा कि प्रश्न i से v बहुविकल्पीय प्रश्न होंगे, जबकि प्रश्न vi से x रिक्त स्थान की पूर्ति भरने वाले प्रश्न होंगे।

खंड B (40 अंक)': इसमें 5 प्रश्न होंगे (प्रत्येक इकाई से दो प्रश्न आंतरिक विकल्प के साथ)। प्रत्येक प्रश्न 8 अंकों का होगा। परीक्षार्थियों को सभी 5 प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। उत्तर 200 शब्दों से अधिक नहीं होना चाहिए।

खंड C (60 अंक)': इसमें 5 प्रश्न होंगे, प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न। प्रत्येक प्रश्न 20 अंकों का होगा। परीक्षार्थियों को किसी भी तीन प्रश्नों का उत्तर देना होगा, इन तीन प्रश्नों को विभिन्न इकाइयों से चुनना होगा। उत्तर 400 शब्दों से अधिक नहीं होना चाहिए।

**अध्ययन क्षेत्र**
1. भाषा : भाषा विज्ञान की परिभाषा, भाषा के अंग, भाषा के विकास के कारण।
2. लिपि : लिपि और भाषा का सम्बन्ध, लिपि का विकास, मुडिया लिपि का सामान्य परिचय।
3. राजस्थानी भाषा का उद्भव और विकास परम्परा का सामान्य परिचय बोलियां, उप बोलियां, डिंगल–पिंगल की सामान्य विशेषताएं, राजस्थानी भाषा की व्याकरणिक विशेषताएं।
4. राजस्थानी साहित्य की युगीन परंपरा का अध्ययन : कालक्रम के अनुसार एवं काव्य परंपरा – धाराओं के अनुसार।
5. प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य का इतिहास।
6. आधुनिक राजस्थानी काव्य का इतिहास।
7. आधुनिक राजस्थानी गद्य साहित्य एवं गद्य विधाएं।

**नोट :** इस प्रश्न पत्र हेतु पाठ्यसामग्री अभिप्रस्तावित ग्रन्थों से मिलेगी।

**प्रथम इकाई**
भाषा एवं लिपि का सामान्य सिद्धान्त का अध्ययन।
**द्वितीय इकाई**
राजस्थानी भाषा : उद्भव एवं विकास का अध्ययन।
**तृतीय इकाई**
राजस्थानी लिपि का विकास, डिंगल–पिंगल एवं राजस्थानी बोलियों एवं उपबोलियों का अध्ययन एवं विशेषताएं।
**चतुर्थ इकाई**
राजस्थानी गद्य साहित का उद्भव एवं विकास का अध्ययन।
**पंचम इकाई**
मध्यकालीन राजस्थानी गद्य विद्याओं का परिचय–बात, ख्यात, वचनिका, दवावेत, विगत, टब्बा, टिका, बालवबोध, टिप्पणी, वार्ता, वंशावली, पीढ़ायावली, हकीकत, बही आदि।
**अभिप्रस्तावित ग्रंथ**

| | | |
|---|---|---|
| भाषा विज्ञान | : | भोलानाथ तिवारी, किताब महल, दिल्ली । |
| राजस्थानी भाषा | : | डॉ. सुनीतिकुमार चाटुर्ज्या : साहित्य संस्थान, उदयपुर । |
| पुरानी राजस्थानी | : | एल. पी. टैस्सीटोरी (अनु.) डॉ. नामवर सिंह |
| राजस्थानी भाषा सर्वेक्षण | : | जार्ज ए. ग्रियर्सन (अनु.) आत्माराम जाजोदिया<br>प्रकाशक : राजस्थानी भाषा प्रचार सभा, जयपुर । |
| राजस्थानी भाषा और साहित्य | : | डॉ. मोतीलाल मेनारिया |
| राजस्थानी भाषा और साहित्य | : | डॉ. कल्याण सिंह शेखावत |
| राजस्थानी भाषा–एक परिचय | : | नरोत्तमदास स्वामी |

| | | |
|---|---|---|
| राजस्थानी सबद कोस (प्रथम खण्ड) | : | सं. सीतारांम लालस<br>प्रकाशक : राजस्थानी शोध संस्थान, चौपासनी, जोधपुर |
| डिंगल साहित्य | : | डॉ. गोवर्द्धन शर्मा |
| हिन्दी साहित्य का आदिकाल | : | आचार्य रामचन्द्र शुक्ल |
| प्राचीन भारतीय लिपिमाला | : | गौरीशंकर हीराचन्द ओझा |
| राजस्थानी व्याकरण | : | नरोत्तमदास स्वामी |
| मारवाड़ी व्याकरण | : | रामकरण आसोपा |
| राजस्थानी व्याकरण | : | सीताराम लालस |
| राजस्थानी काव्य की गौरवपूर्ण परम्परा | : | अगरचंद नाहटा |
| राजस्थानी गद्य साहित – उद्‌भव और विकास | : | डॉ. शिवस्वरूप शर्मा |

## चतुर्थ प्रश्न पत्रः राजस्थानी लोक साहित्य
## कोर्स कोड – RAJ-DCC-T-105

**समयः– 3 घण्टे** **पूर्णांकः– 120+30**

**अंकन योजना**

यह योजना 150 अंकों की होगी। योजना निम्नलिखित हैः

**राजस्थानी कार्यक्रमों के लिए**

30 आंतरिक + 120 सैद्धांतिक = कुल 150

**नोट :** इस प्रश्न पत्र में 3 खण्ड निम्न प्रकार होंगे –

**परीक्षा का प्रारूप**

इस पाठ्यक्रम में 5 इकाइयाँ होंगी। प्रश्न पत्र में तीन खंड होंगे।

खंड A (20 अंक): इसमें 10 प्रश्न होंगे, प्रत्येक इकाई से दो प्रश्न। प्रत्येक प्रश्न 2 अंकों का होगा। सभी प्रश्न अनिवार्य होंगे। खंड A को इस प्रकार तैयार किया जाएगा कि प्रश्न i से v बहुविकल्पीय प्रश्न होंगे, जबकि प्रश्न vi से x रिक्त स्थान की पूर्ति भरने वाले प्रश्न होंगे।

खंड B (40 अंक)': इसमें 5 प्रश्न होंगे (प्रत्येक इकाई से दो प्रश्न आंतरिक विकल्प के साथ)। प्रत्येक प्रश्न 8 अंकों का होगा। परीक्षार्थियों को सभी 5 प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। उत्तर 200 शब्दों से अधिक नहीं होना चाहिए।

खंड C (60 अंक)': इसमें 5 प्रश्न होंगे, प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न। प्रत्येक प्रश्न 20 अंकों का होगा। परीक्षार्थियों को किसी भी तीन प्रश्नों का उत्तर देना होगा, इन तीन प्रश्नों को विभिन्न इकाइयों से चुनना होगा। उत्तर 400 शब्दों से अधिक नहीं होना चाहिए।

**अध्ययन क्षेत्र**

1. लोक साहित्य के संदर्भ में लोक का अर्थ, परिभाषा, तत्त्व, लोकमानस का स्वरूप एवं विशेषताएं।
2. लोक साहित्य का सामान्य परिचय एवं विधाओं के अनुसार वर्गीकरण ।
3. राजस्थानी लोक साहित्य का अध्ययन एवं वर्गीकरण ।
4. राजस्थानी लोककथा, लोकगीत एवं लोकगाथा का विशिष्ट अध्ययन ।
5. राजस्थानी लोकनाट्‌य, लोकोक्तियां, मुहावरा, आडिया, अखाणा आदि।

**नोटः**– इस प्रश्न पत्र हेतु विषय सामग्री अभिप्रस्तावित ग्रंथों से प्राप्त होगी ।

**प्रथम इकाई**

लोक साहित्य : लोक एवं लोकमानस : परिचय, परिभाषा, लोकतत्त्व आदि का अध्ययन।

**द्वितीय इकाई**

लोक साहित्य : सामान्य परिचय एवं वर्गीकरण का अध्ययन।

**तृतीय इकाई**

लोककथा, लोकगीत का वर्गीकरण एवं विशिष्ट अध्ययन।

**चतुर्थ इकाई**

लोकनाट्‌य, लोकगाथा का वर्गीकरण एवं विशिष्ट अध्ययन

**पंचम इकाई**

लोकोक्तियां, मुहावरे, आडियां, अखाणां आदि का अध्ययन।

**अभिप्रस्तावित ग्रंथ**

| | | |
|---|---|---|
| राजस्थानीलोक साहित्य का सैद्धांतिक विवेचन | : | डॉ. सोहनदान चारण |
| राजस्थानी लोक नाट्‌य परम्परा एवं प्रवृत्तियां | : | डॉ. महेन्द्र भानावत |

| | |
|---|---|
| लोक साहित्य विज्ञान | : डॉ. सत्येन्द्र |
| लोक साहित्य की भूमिका | : डॉ. कृष्णदेव उपाध्याय |
| भारतीय लोक वाड़्गमय | : श्याम परमार |
| लोक धर्म | : वासुदेवशरण अग्रवाल |
| लोक साहित्य (व्याख्यान) | : झवेरचन्द मेघानी |
| राजस्थानी लोक साहित्य | : नानूराम संस्कर्ता |
| तेजाजी | : डॉ. कन्हैयालाल सहल |
| तेजाजी | : डॉ. महेन्द्र भानावत |
| मध्यकालीन भारतीय संस्कृति | : गौरीशंकर हीराचन्द ओझा |
| नाथ सम्प्रदाय | : डॉ. हजारी प्रसाद द्विवेदी |
| राजस्थानी लोक साहित्य | : नेमीचन्द गहलोत |

# एम.ए. राजस्थानी
## सेमेस्टर द्वितीय
## सत्र–2025–26
## कोर्स कोड – VAC-T201

### राष्ट्रीय एवं मानव मूल्य

**परीक्षा एवं मूल्यांकन योजना :**

यह एक Non CGPA Course है। अतः विश्वविद्यालय द्वारा सैद्धान्तिक परीक्षा आयोजित नहीं की जायेगी। केवल महाविद्यालय स्तर पर छात्र का सतत आन्तरिक मूल्यांकन होगा और सत्रांत में एक आन्तरिक वाक्परीक्षा (Viva) करके मात्र ''सन्तोषजनक'' या ''असन्तोषजनक'' प्रत्यय (क्रेडेंशियल्स) ही विश्वविद्यालय को प्रेषित किया जायेगा।

**सत्र 2025–26**
**सेमेस्टर – द्वितीय (Semester – II Rajasthani)**
प्रश्न पत्र–**मध्यकालीन राजस्थानी काव्य**
**कोर्स कोड – RAJ-DCC-T-202**

**समयः– 3 घण्टे** | **पूर्णांकः– 120+30**

**अंकन योजना**
यह योजना 150 अंकों की होगी। योजना निम्नलिखित हैः
**राजस्थानी कार्यक्रमों के लिए**

30 आंतरिक + 120 सैद्धांतिक = कुल 150

**परीक्षा का प्रारूप**
इस पाठ्यक्रम में 5 इकाइयाँ होंगी। प्रश्न पत्र में तीन खंड होंगे।

खंड A (20 अंक): इसमें 10 प्रश्न होंगे, प्रत्येक इकाई से दो प्रश्न। प्रत्येक प्रश्न 2 अंकों का होगा। सभी प्रश्न अनिवार्य होंगे। खंड A को इस प्रकार तैयार किया जाएगा कि प्रश्न i से v बहुविकल्पीय प्रश्न होंगे, जबकि प्रश्न vi से x रिक्त स्थान की पूर्ति भरने वाले प्रश्न होंगे।

खंड B (40 अंक)': इसमें 5 प्रश्न होंगे (प्रत्येक इकाई से दो प्रश्न आंतरिक विकल्प के साथ)। प्रत्येक प्रश्न 8 अंकों का होगा। परीक्षार्थियों को सभी 5 प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। उत्तर 200 शब्दों से अधिक नहीं होना चाहिए।

खंड C (60 अंक)': इसमें 5 प्रश्न होंगे, प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न। प्रत्येक प्रश्न 20 अंकों का होगा। परीक्षार्थियों को किसी भी तीन प्रश्नों का उत्तर देना होगा, इन तीन प्रश्नों को विभिन्न इकाइयों से चुनना होगा। उत्तर 400 शब्दों से अधिक नहीं होना चाहिए।

**अध्ययन क्षेत्र**

1. प्राचीन राजस्थानी काव्य परंपरा का अध्ययन।
2. मध्यकालीन राजस्थानी काव्य परंपरा का अध्ययन।
3. भक्ति परक रचनाओं एवं रचनाकारों का विशिष्ट अध्ययन ।
4. प्राचीन रचनाओं एवं वीर रसात्मक रचनाओं का विशिष्ट अध्ययन ।

**पाठ्यपुस्तकें**

वेलि क्रिसण रूकमणी री – ले. पृथ्वीराज राठौड़ सं. नरोत्तमदास स्वामी
हालां झालां रा कुण्डलिया – ईसरदास बारहठ

**प्रथम इकाई**

प्राचीन एवं मध्यकालीन राजस्थानी काव्य परंपरा का अध्ययन।

**द्वितीय इकाई**

वेलि क्रिसण रूकमणी री से व्याख्या।

**तृतीय इकाई**

हालां झालां रा कुण्डलिया से व्याख्या।

**चतुर्थ इकाई**

वेलि क्रिसण रूकमणी री : पृथ्वीराज राठौड़ के व्यक्तित्व और कृतित्व का आलोचनात्मक अध्ययन

**पंचम इकाई**

हालां झालां रा कुण्डलिया : ईसरदास बारहठ के व्यक्तित्व और कृतित्व का आलोचनात्मक अध्ययन

**अभिप्रस्तावित ग्रंथ**

1. प्राचीन काव्य रूपों की परम्परा : अगरचन्द नाहटा, भारतीय विद्या मंदिर शोध प्रतिष्ठान, बीकानेर
2. वेलि क्रिसण रुकमणी री : आनन्द प्रसाद दीक्षित
3. वेलि क्रिसण रुकमणी री : डॉ. पुरुषोत्तम आसोपा, बीकानेर
3. राजस्थानी की श्रेष्ठ कृतियां : माधोसिंह इन्दा
4. कीरत रा बखाण : डॉ. नमामीशंकर आचार्य, बीकानेर
5. हालां झालां रा कुण्डलिया : डॉ. मोतीलाल मेनारिया, द्विवेदी पुस्तक भण्डार, उदयपुर।

## द्वितीय प्रश्न पत्र : मध्यकालीन राजस्थानी गद्य

## कोर्स कोड – RAJ-DCC-T-203

**समयः– 3 घण्टे** **पूर्णांकः– 120+30**

**अंकन योजना**

यह योजना 150 अंकों की होगी। योजना निम्नलिखित हैः

**राजस्थानी कार्यक्रमों के लिए**

30 आंतरिक + 120 सैद्धांतिक = कुल 150

**नोट :** इस प्रश्न पत्र में 3 खण्ड निम्न प्रकार होंगे –

**परीक्षा का प्रारूप**

इस पाठ्यक्रम में 5 इकाइयाँ होंगी। प्रश्न पत्र में तीन खंड होंगे।

खंड A (20 अंक): इसमें 10 प्रश्न होंगे, प्रत्येक इकाई से दो प्रश्न। प्रत्येक प्रश्न 2 अंकों का होगा। सभी प्रश्न अनिवार्य होंगे। खंड A को इस प्रकार तैयार किया जाएगा कि प्रश्न i से v बहुविकल्पीय प्रश्न होंगे, जबकि प्रश्न vi से x रिक्त स्थान की पूर्ति भरने वाले प्रश्न होंगे।

खंड B (40 अंक)': इसमें 5 प्रश्न होंगे (प्रत्येक इकाई से दो प्रश्न आंतरिक विकल्प के साथ)। प्रत्येक प्रश्न 8 अंकों का होगा। परीक्षार्थियों को सभी 5 प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। उत्तर 200 शब्दों से अधिक नहीं होना चाहिए।

खंड C (60 अंक)': इसमें 5 प्रश्न होंगे, प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न। प्रत्येक प्रश्न 20 अंकों का होगा। परीक्षार्थियों को किसी भी तीन प्रश्नों का उत्तर देना होगा, इन तीन प्रश्नों को विभिन्न इकाइयों से चुनना होगा। उत्तर 400 शब्दों से अधिक नहीं होना चाहिए।

**अध्ययन क्षेत्र**

1. प्राचीन राजस्थानी गद्य परंपरा का अध्ययन।
2. मध्यकालीन राजस्थानी गद्य परंपरा का अध्ययन।
3. वचनिका परम्परा का अध्ययन।
4. राजस्थानी वात परम्परा का अध्ययन।

5. राजस्थानी वात परम्परा की समृद्ध एवं विस्तृत रचनाओं का अध्ययन।

**पाठ्यपुस्तकें**

1. राजस्थानी साहित्य संग्रह भाग–1 (सं.) डॉ. नरोत्तमदास स्वामी, राजस्थानी प्राच्य विद्या प्रतिष्ठान, जोधपुर।
2. कुंवरसी सांखलो री बात : (सं.) मनोहर शर्मा, पंचशील प्रकाशन, जयपुर

**प्रथम इकाई**

प्राचीन एवं मध्यकालीन राजस्थानी गद्य परंपरा का अध्ययन।

**द्वितीय इकाई**

राजस्थानी साहित्य संग्रह भाग–1 से व्याख्या।

**तृतीय इकाई**

कुंवरसी सांखलो री बात से व्याख्या।

**चतुर्थ इकाई**

राजस्थानी साहित्य संग्रह भाग–1 से आलोचनात्मक अध्ययन

**पंचम इकाई**

कुंवरसी सांखलो री बात से आलोचनात्मक अध्ययन।

**अभिप्रस्तावित ग्रंथ**

1. राजस्थानी साहित्य संग्रह भाग–1 (सं.) डॉ. नरोत्तमदास स्वामी, राजस्थानी प्राच्य विद्या प्रतिष्ठान, जोधपुर।
2. कुंवरसी सांखलो री बात : (सं.) मनोहर शर्मा, पंचशील प्रकाशन, जयपुर
3. राजस्थानी बात संग्रह – (सं.) डॉ. मनोहर शर्मा : प्रकाशक : साहित्य अकादेमी, नई दिल्ली
4. प्राचीन काव्यों की रूप परंपरा – अगरचंद नाहटा

## तृतीय प्रश्न पत्रः राजस्थानी साहित्य का इतिहास
## कोर्स कोड – RAJ-DCC-T-204

**समयः– 3 घण्टे** **पूर्णांकः– 120+30**

**अंकन योजना**

यह योजना 150 अंकों की होगी। योजना निम्नलिखित हैः

**राजस्थानी कार्यक्रमों के लिए**

30 आंतरिक + 120 सैद्धांतिक = कुल 150

**नोट :** इस प्रश्न पत्र में 3 खण्ड निम्न प्रकार होंगे –

**परीक्षा का प्रारूप**

इस पाठ्यक्रम में 5 इकाइयाँ होंगी। प्रश्न पत्र में तीन खंड होंगे।

खंड A (20 अंक): इसमें 10 प्रश्न होंगे, प्रत्येक इकाई से दो प्रश्न। प्रत्येक प्रश्न 2 अंकों का होगा। सभी प्रश्न अनिवार्य होंगे। खंड A को इस प्रकार तैयार किया जाएगा कि प्रश्न i से v बहुविकल्पीय प्रश्न होंगे, जबकि प्रश्न vi से x रिक्त स्थान की पूर्ति भरने वाले प्रश्न होंगे।

खंड B (40 अंक)': इसमें 5 प्रश्न होंगे (प्रत्येक इकाई से दो प्रश्न आंतरिक विकल्प के साथ)। प्रत्येक प्रश्न 8 अंकों का होगा। परीक्षार्थियों को सभी 5 प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। उत्तर 200 शब्दों से अधिक नहीं होना चाहिए।

खंड C (60 अंक)': इसमें 5 प्रश्न होंगे, प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न। प्रत्येक प्रश्न 20 अंकों का होगा। परीक्षार्थियों को किसी भी तीन प्रश्नों का उत्तर देना होगा, इन तीन प्रश्नों को विभिन्न इकाइयों से चुनना होगा। उत्तर 400 शब्दों से अधिक नहीं होना चाहिए।

**अध्ययन क्षेत्र**

1. भाषा : भाषा विज्ञान की परिभाषा, भाषा के अंग, भाषा के विकास के कारण।
2. लिपि : लिपि और भाषा का सम्बन्ध, लिपि का विकास, मुड़िया लिपि का सामान्य परिचय।
3. राजस्थानी भाषा का उद्भव और विकास परम्परा का सामान्य परिचय, बोलियां, उप बोलियां, डिंगल–पिंगल की सामान्य विशेषताएं, राजस्थानी भाषा की व्याकरणिक विशेषताएं।
4. राजस्थानी साहित्य की युगीन परंपरा का अध्ययन – कालक्रम के अनुसार एवं काव्य परंपरा – धाराओं के अनुसार।
5. प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य का इतिहास।
6. आधुनिक राजस्थानी काव्य का इतिहास।
7. आधुनिक राजस्थानी गद्य साहित्य एवं गद्य विधाएं।

**नोट :** इस प्रश्न पत्र हेतु पाठ्यसामग्री अभिप्रस्तावित ग्रन्थों से मिलेगी।

**प्रथम इकाई**
राजस्थानी साहित्य का प्राचीनकाल : विकास एवं परम्परा, युगीन परिवेश प्रवृतियां, रचनाएं एवं रचनाकार।
**द्वितीय इकाई**
राजस्थानी साहित्य का मध्यकाल : विकास एवं परम्परा, युगीन परिवेश प्रवृतियां, रचनाएं एवं रचनाकार।
**तृतीय इकाई**
आधुनिक राजस्थानी काव्य का इतिहास
**चतुर्थ इकाई**
आधुनिक राजस्थानी गद्य साहित्य का इतिहास।
**पंचम इकाई**
आधुनिक राजस्थानी गद्य विधाएं : कहानी, नाटक, उपन्यास, रेखाचित्र, निबन्ध, एकांकी, रेडियो रूपक आदि।
**अभिप्रस्तावित ग्रंथ**

| | | |
|---|---|---|
| भाषा विज्ञान | : | भोलानाथ तिवारी, किताब महल, दिल्ली । |
| राजस्थानी भाषा | : | डॉ. सुनीतिकुमार चाटुर्ज्या : साहित्य संस्थान, उदयपुर । |
| पुरानी राजस्थानी | : | एल. पी. टैस्सीटोरी (अनु.) डॉ. नामवर सिंह |
| राजस्थानी भाषा सर्वेक्षण | : | जार्ज ए. ग्रियर्सन (अनु.) आत्माराम जाजोदिया<br>प्रकाशक : राजस्थानी भाषा प्रचार सभा, जयपुर । |
| राजस्थानी भाषा और साहित्य | : | डॉ. मोतीलाल मेनारिया |
| राजस्थानी भाषा और साहित्य | : | डॉ. कल्याण सिंह शेखावत |
| राजस्थानी भाषा–एक परिचय | : | नरोत्तमदास स्वामी |
| राजस्थानीसबद कोस (प्रथम खण्ड) | : | सं. सीताराम लालस<br>प्रकाशक – राजस्थानी शोध संस्थान, चौपासनी, जोधपुर |
| डिंगल साहित्य | : | डॉ. गोवर्द्धन शर्मा |
| हिन्दी साहित्य का आदिकाल | : | आचार्य रामचन्द्र शुक्ल |
| प्राचीन भारतीय लिपिमाला | : | गौरीशंकर हीराचन्द ओझा |
| राजस्थानी व्याकरण | : | नरोत्तमदास स्वामी |
| मारवाड़ी व्याकरण | : | रामकरण आसोपा |
| राजस्थानी व्याकरण | : | सीताराम लालस |
| राजस्थानी काव्य की गौरवपूर्ण परम्परा | : | अगरचंद नाहटा |
| राजस्थानी गद्य साहित – उद्भव और विकास | : | डॉ. शिवस्वरूप शर्मा |

आधुनिक राजस्थानी साहित्य : प्रेरणा स्रोत और प्रकृतियां – डॉ. किरण नाहटा, प्रकाशक – चिन्मय प्रकाशन, जोधपुर।

## चतुर्थ प्रश्न पत्रः राजस्थानी संत साहित्य एवं लोक देवी–देवता
## कोर्स कोड – RAJ-DCC-T-205

**समयः– 3 घण्टे** **पूर्णांकः– 120+30**

**अंकन योजना**
यह योजना 150 अंकों की होगी। योजना निम्नलिखित हैः
**राजस्थानी कार्यक्रमों के लिए**

30 आंतरिक + 120 सैद्धांतिक = कुल 150

**नोट :** इस प्रश्न पत्र में 3 खण्ड निम्न प्रकार होंगे –
**परीक्षा का प्रारूप**
इस पाठ्यक्रम में 5 इकाइयाँ होंगी। प्रश्न पत्र में तीन खंड होंगे।
खंड A (20 अंक): इसमें 10 प्रश्न होंगे, प्रत्येक इकाई से दो प्रश्न। प्रत्येक प्रश्न 2 अंकों का होगा। सभी प्रश्न अनिवार्य होंगे। खंड A को इस प्रकार तैयार किया जाएगा कि प्रश्न i से v बहुविकल्पीय प्रश्न होंगे, जबकि प्रश्न vi से x रिक्त स्थान की पूर्ति भरने वाले प्रश्न होंगे।
खंड B (40 अंक)': इसमें 5 प्रश्न होंगे (प्रत्येक इकाई से दो प्रश्न आंतरिक विकल्प के साथ)। प्रत्येक प्रश्न 8 अंकों का होगा। परीक्षार्थियों को सभी 5 प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। उत्तर 200 शब्दों से अधिक नहीं होना चाहिए।
खंड C (60 अंक)': इसमें 5 प्रश्न होंगे, प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न। प्रत्येक प्रश्न 20 अंकों का होगा। परीक्षार्थियों को किसी भी तीन प्रश्नों का उत्तर देना होगा, इन तीन प्रश्नों को विभिन्न इकाइयों से चुनना होगा। उत्तर 400 शब्दों से अधिक नहीं होना चाहिए।

**अध्ययन क्षेत्र**

1. लोक साहित्य के संदर्भ में लोक का अर्थ, परिभाषा, तत्त्व, लोकमानस का स्वरूप एवं विशेषताएं।
2. लोक साहित्य का सामान्य परिचय एवं विधाओं के अनुसार वर्गीकरण ।
3. राजस्थानी लोक साहित्य का अध्ययन एवं वर्गीकरण ।
4. राजस्थानी लोककथा, लोकगीत एवं लोकगाथा का विशिष्ट अध्ययन ।
5. राजस्थानी लोकनाट्य, लोकोक्तियां, मुहावरा, आडियां, अखाणां आदि।

**नोटः**– इस प्रश्न पत्र हेतु विषय सामग्री अभिप्रस्तावित ग्रंथों से प्राप्त होगी ।

**प्रथम इकाई**

राजस्थानी लोक साहित्य का अध्ययन एवं वर्गीकरण।

**द्वितीय इकाई**

राजस्थान के प्रमुख संत एवं संत सम्प्रदायों का अध्ययन।

**तृतीय इकाई**

राजस्थान के लोक देवियों का विशिष्ट अध्ययन।

**चतुर्थ इकाई**

राजस्थान के लोक देवताओं का अध्ययन।

**पंचम इकाई**

राजस्थानी लोकसंस्कृति का स्वरूप एवं विशेषताएं का अध्ययन।

**अभिप्रस्तावित ग्रंथ**

| | |
|---|---|
| राजस्थानीलोक साहित्य का सैद्धांतिक विवेचन | : डॉ. सोहनदान चारण |
| राजस्थानी लोक नाट्य परम्परा एवं प्रवृत्तियां | : डॉ. महेन्द्र भानावत |
| लोक साहित्य विज्ञान | : डॉ. सत्येन्द्र |
| लोक साहित्य की भूमिका | : डॉ. कृष्णदेव उपाध्याय |
| भारतीय लोक वाङ्गमय | : श्याम परमार |
| लोक धर्म | : वासुदेवशरण अग्रवाल |
| लोक साहित्य (व्याख्यान) | : झवेरचन्द मेघानी |
| राजस्थानी लोक साहित्य | : नानूराम संस्कर्ता |
| तेजाजी | : डॉ. कन्हैयालाल सहल |
| तेजाजी | : डॉ. महेन्द्र भानावत |
| मध्यकालीन भारतीय संस्कृति | : गौरीशंकर हीराचन्द ओझा |
| नाथ सम्प्रदाय | : डॉ. हजारी प्रसाद द्विवेदी |

# एम.ए. राजस्थानी
## सेमेस्टर तृतीय
## सत्र 2026–27
## कोर्स कोड – SDC-T301

**Basic Communiction Skills**
**or**
**Basic Computer Course**
**or**
**Seminar + Academic Writing**

## राष्ट्रीय एवं मानव मूल्य

**परीक्षा एवं मूल्यांकन योजना :**

यह एक Non CGPA Course है। अतः विश्वविद्यालय द्वारा सैद्धान्तिक परीक्षा आयोजित नहीं की जायेगी। केवल महाविद्यालय स्तर पर छात्र का सतत आन्तरिक मूल्यांकन होगा और सत्रांत में एक आन्तरिक वाक्परीक्षा (Viva) करके मात्र ''सन्तोषजनक'' या ''असन्तोषजनक'' प्रत्यय (क्रेडेंशियल्स) ही विश्वविद्यालय को प्रेषित किया जायेगा।

**सत्र 2026–27**
**सेमेस्टर – तृतीय (Semester – III Rajasthani)**
**प्रथम प्रश्न पत्र : आधुनिक राजस्थानी काव्य**
**कोर्स कोड – RAJ-DCC-T-302**

**समयः– 3 घण्टे** | **पूर्णांकः– 120+30**

**अंकन योजना**
यह योजना 150 अंकों की होगी। योजना निम्नलिखित हैः
**राजस्थानी कार्यक्रमों के लिए**

30 आंतरिक + 120 सैद्धांतिक = कुल 150

**नोट :** इस प्रश्न पत्र में 3 खण्ड निम्न प्रकार होंगे –
**परीक्षा का प्रारूप**
इस पाठ्यक्रम में 5 इकाइयाँ होंगी। प्रश्न पत्र में तीन खंड होंगे।

खंड A (20 अंक): इसमें 10 प्रश्न होंगे, प्रत्येक इकाई से दो प्रश्न। प्रत्येक प्रश्न 2 अंकों का होगा। सभी प्रश्न अनिवार्य होंगे। खंड A को इस प्रकार तैयार किया जाएगा कि प्रश्न i से v बहुविकल्पीय प्रश्न होंगे, जबकि प्रश्न vi से x रिक्त स्थान की पूर्ति भरने वाले प्रश्न होंगे।

खंड B (40 अंक)': इसमें 5 प्रश्न होंगे (प्रत्येक इकाई से दो प्रश्न आंतरिक विकल्प के साथ)। प्रत्येक प्रश्न 8 अंकों का होगा। परीक्षार्थियों को सभी 5 प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। उत्तर 200 शब्दों से अधिक नहीं होना चाहिए।

खंड C (60 अंक)': इसमें 5 प्रश्न होंगे, प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न। प्रत्येक प्रश्न 20 अंकों का होगा। परीक्षार्थियों को किसी भी तीन प्रश्नों का उत्तर देना होगा, इन तीन प्रश्नों को विभिन्न इकाइयों से चुनना होगा। उत्तर 400 शब्दों से अधिक नहीं होना चाहिए।

**अध्ययन क्षेत्र**
1. आधुनिक राजस्थानी काव्य परम्परा का अध्ययन।
2. आधुनिक काल की प्रारंभिक महत्त्वपूर्ण रचनाओं का विस्तृत अध्ययन।
3. भाव, भाषा एवं शिल्प के बदलते स्वरूप के आधार पर आधुनिक रचनाओं का आलोचनात्मक अध्ययन ।

**पाठ्यपुस्तकें**
1. वीर सतसई : सूर्यमल्ल मीसण
3. बादळी : चन्द्रसिंह बिरकाली

**प्रथम इकाई**
आधुनिक राजस्थानी काव्य परम्परा का अध्ययन।

**द्वितीय इकाई**
वीर सतसई : सूर्यमल्ल मीसण से व्याख्या

**तृतीय इकाई**
बादळी : चन्द्रसिंह बिरकाली से व्याख्या।

**चतुर्थ इकाई**
वीर सतसई : सूर्यमल्ल मीसण का व्यक्तित्व, कृतित्व और आलोचनात्मक अध्ययन।

**पंचम इकाई**
बादळी : चन्द्रसिंह बिरकाली का व्यक्तित्व, कृतित्व और आलोचनात्मक अध्ययन।

**पाठ्यपुस्तकें**
1. वीर सतसई : सूर्यमल्ल मीसण, सं. पतराम गौड़, ईश्वरदान आशिया, कन्हैयालाल सहल, प्रकाशक : बंगाल हिन्दी मण्डल ।
2. बादळी : चन्द्रसिंह, चांद जलेरी प्रकाशन, जयपुर ।

**अभिप्रस्तावित ग्रंथ**
1. वीर सतसई : सूर्यमल्ल मीसण, सं. पतराम गौड़, ईश्वरदान आशिया, कन्हैयालाल सहल, प्रकाशक : बंगाल हिन्दी मण्डल ।
2. बादळी : चन्द्रसिंह बिरकाली, राजस्थानी ग्रंथागार, जोधपुर
3. परम्परा : सूर्यमल्ल मीसण विशेषांक तथा हेमांणी अंक ।
   प्रकाशक : राजस्थानी शोध संस्थान, चौपासनी, जोधपुर ।
4. राजस्थानी की श्रेष्ठ कृतियां : माधोसिंह इंदा ।
5. वीरसतसई : डॉ. शंभुसिंह मनोहर, स्टूडेन्ट्स बुक कम्पनी, चौड़ा रास्ता, जयपुर।
6. निबंध सबरंग : डॉ. गौरीशंकर प्रजापत : सूर्य प्रकाशन मन्दिर, बीकानेर।

## द्वितीय प्रश्न पत्र : आधुनिक राजस्थानी गद्य : उपन्यास एवं कहानी
## कोर्स कोड – RAJ-DCC-T-303

**समयः– 3 घण्टे** **पूर्णांकः– 120+30**

**अंकन योजना**
यह योजना 150 अंकों की होगी। योजना निम्नलिखित हैः

**राजस्थानी कार्यक्रमों के लिए**

30 आंतरिक + 120 सैद्धांतिक = कुल 150

**नोट :** इस प्रश्न पत्र में 3 खण्ड निम्न प्रकार होंगे –

**परीक्षा का प्रारूप**
इस पाठ्यक्रम में 5 इकाइयाँ होंगी। प्रश्न पत्र में तीन खंड होंगे।

खंड A (20 अंक): इसमें 10 प्रश्न होंगे, प्रत्येक इकाई से दो प्रश्न। प्रत्येक प्रश्न 2 अंकों का होगा। सभी प्रश्न अनिवार्य होंगे। खंड A को इस प्रकार तैयार किया जाएगा कि प्रश्न i से v बहुविकल्पीय प्रश्न होंगे, जबकि प्रश्न vi से x रिक्त स्थान की पूर्ति भरने वाले प्रश्न होंगे।

खंड B (40 अंक)': इसमें 5 प्रश्न होंगे (प्रत्येक इकाई से दो प्रश्न आंतरिक विकल्प के साथ)। प्रत्येक प्रश्न 8 अंकों का होगा। परीक्षार्थियों को सभी 5 प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। उत्तर 200 शब्दों से अधिक नहीं होना चाहिए।

खंड C (60 अंक)': इसमें 5 प्रश्न होंगे, प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न। प्रत्येक प्रश्न 20 अंकों का होगा। परीक्षार्थियों को किसी भी तीन प्रश्नों का उत्तर देना होगा, इन तीन प्रश्नों को विभिन्न इकाइयों से चुनना होगा। उत्तर 400 शब्दों से अधिक नहीं होना चाहिए।

**अध्ययन क्षेत्र**
1. आधुनिक राजस्थानी गद्य परम्परा का अध्ययन।
2. आधुनिक गद्य विधाओं में निबंध, नाटक, उपन्यास, कहानी, रेखाचित्र एवं आदि साहित्य का विशिष्ट अध्ययन।

**पाठ्यपुस्तकें**
1. बुगचो : मूलदान देपावत
2. तास रो घर : यादवेन्द्र शर्मा 'चन्द्र'

**प्रथम इकाई**
आधुनिक राजस्थानी गद्य परम्परा एवं गद्य विधाओं का अध्ययन।
**द्वितीय इकाई**
बुगचो : मूलदान देपावत से व्याख्या।
**तृतीय इकाई**
तास रो घर : यादवेन्द्र शर्मा 'चन्द्र' से व्याख्या।
**चतुर्थ इकाई**
बुगचो : मूलदान देपावत का व्यक्तित्व, कृतित्व एवं आलोचनात्मक अध्ययन।
**पंचम इकाई**
तास रो घर : यादवेन्द्र शर्मा 'चन्द्र' का व्यक्तित्व, कृतित्व एवं आलोचनात्मक अध्ययन।
**अभिप्रस्तावित ग्रंथ**

1. बुगचो : सांखला प्रिन्टर्स, बीकानेर
2. तास रो घर : यादवेन्द्र शर्मा 'चन्द्र'
3. आधुनिक राजस्थानी साहित्य प्रेरणा, स्त्रोत और प्रवृत्तिया : डॉ. किरण नाहटा, प्रकाशक : चिन्मय प्रकाशन, जयपुर
4. मेवै रा रूंख ? : अन्नाराम सुदामा ।
5. पोथी दर पोथी : डॉ. किरण नाहटा ।
6. आंगळी–सीध – डॉ. नीरज दहया : सूर्य प्रकाशन मन्दिर, बीकानेर
7. बिना हासल पाई – डॉ. नीरज दइया : सर्जना शिवबाड़ी, बीकानेर
8. राजस्थानी कहानी : परम्परा – विकास – अर्जुन देव चारण : राजस्थानी साहित्य संस्थान, जोधपुर

## तृतीय प्रश्न पत्रः भारतीय काव्यशास्त्र
## कोर्स कोड – RAJ-DCC-T-304

**समयः– 3 घण्टे** **पूर्णांकः– 120+30**

**अंकन योजना**
यह योजना 150 अंकों की होगी। योजना निम्नलिखित है:
**राजस्थानी कार्यक्रमों के लिए**

30 आंतरिक + 120 सैद्धांतिक = कुल 150

**नोट :** इस प्रश्न पत्र में 3 खण्ड निम्न प्रकार होंगे –
**परीक्षा का प्रारूप**
इस पाठ्यक्रम में 5 इकाइयाँ होंगी। प्रश्न पत्र में तीन खंड होंगे।
खंड A (20 अंक): इसमें 10 प्रश्न होंगे, प्रत्येक इकाई से दो प्रश्न। प्रत्येक प्रश्न 2 अंकों का होगा। सभी प्रश्न अनिवार्य होंगे। खंड A को इस प्रकार तैयार किया जाएगा कि प्रश्न i से v बहुविकल्पीय प्रश्न होंगे, जबकि प्रश्न vi से x रिक्त स्थान की पूर्ति भरने वाले प्रश्न होंगे।
खंड B (40 अंक)': इसमें 5 प्रश्न होंगे (प्रत्येक इकाई से दो प्रश्न आंतरिक विकल्प के साथ)। प्रत्येक प्रश्न 8 अंकों का होगा। परीक्षार्थियों को सभी 5 प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। उत्तर 200 शब्दों से अधिक नहीं होना चाहिए।
खंड C (60 अंक)': इसमें 5 प्रश्न होंगे, प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न। प्रत्येक प्रश्न 20 अंकों का होगा। परीक्षार्थियों को किसी भी तीन प्रश्नों का उत्तर देना होगा, इन तीन प्रश्नों को विभिन्न इकाइयों से चुनना होगा। उत्तर 400 शब्दों से अधिक नहीं होना चाहिए।
**अध्ययन क्षेत्र**

1. भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्रीय सिद्धान्तों का अध्ययन।
2. विभिन्न काव्यरूपों का अध्ययन।
3. राजस्थानी काव्यशास्त्र और छन्दशास्त्र का अध्ययन।
4. पाठालोचन के सिद्धान्त एवं पाठसम्पादन की प्रक्रिया का अध्ययन।

**नोटः**–इस प्रश्न पत्र हेतु पाठ्यसामग्री अभिप्रस्तावित ग्रंथों से प्राप्त की जा सकेगी।
**इकाई 1**
साहित्य का स्वरूप तथा विवेचन, भारतीय एवं पाश्चात्य दृष्टि से साहित्य के तत्त्व, काव्य की मूल प्रेरणा और प्रयोजन।
**इकाई 2**
रस सिद्धान्त : रस निष्पत्ति, परिभाषा, साधारणीकरण एवं काव्य रस
**इकाई 3**
अलंकार सम्प्रदाय (स्वरूप और भेद), ध्वनि सिद्धान्त (ध्वनि का अर्थ और भेद)

**इकाई 4**
वक्रोक्ति सिद्धान्त (स्वरूप और भेद), रीति सम्प्रदाय
**इकाई 5**
औचित्य सम्प्रदाय, काव्य गुण, शब्द शक्तियां भेदों सहित
**अभिप्रस्तावित ग्रन्थ**

| | | | |
|---|---|---|---|
| 1. | रस मीमांसा | : | रामचन्द्र शुक्ल |
| 2. | भारतीय साहित्य शास्त्र | : | डॉ. मिथलेश तथा विमलेश कान्ति |
| 3. | साहित्य शास्त्र री ओळखाण | : | डॉ.गौरी शंकर प्रजापत |
| 4. | काव्यशास्त्र एक भारतीय दीठ | : | डॉ. वेंकट शर्मा |
| 5. | समीक्षा सिद्धान्त | : | डॉ. राम प्रकाश |
| 6. | सीरजण री साख | : | डॉ. मदन सैनी |
| 7. | भारतीय पाठालोचन की भूमिका | : | डॉ. एस. एस. कत्रे |
| 8. | रघुवर जस प्रकास | : | किसना आढा प्रकाशक : राजस्थान प्राच्य विद्या प्रतिष्ठान, जोधपुर |
| 9. | राजस्थानी साहित्य मीमांसा | : | डॉ. माधेसिंह इंदा |

## चतुर्थ प्रश्न पत्र : राजस्थानी लोक संस्कृति, कला एवं संस्कार
## कोर्स कोड – RAJ-DCC-T-305

**समयः– 3 घण्टे** **पूर्णांकः– 120+30**

**अंकन योजना**
यह योजना 150 अंकों की होगी। योजना निम्नलिखित हैः
**राजस्थानी कार्यक्रमों के लिए**

30 आंतरिक + 120 सैद्धांतिक = कुल 150

**नोट :** इस प्रश्न पत्र में 3 खण्ड निम्न प्रकार होंगे –
**परीक्षा का प्रारूप**
इस पाठ्यक्रम में 5 इकाइयाँ होंगी। प्रश्न पत्र में तीन खंड होंगे।
खंड A (20 अंक): इसमें 10 प्रश्न होंगे, प्रत्येक इकाई से दो प्रश्न। प्रत्येक प्रश्न 2 अंकों का होगा। सभी प्रश्न अनिवार्य होंगे। खंड A को इस प्रकार तैयार किया जाएगा कि प्रश्न i से v बहुविकल्पीय प्रश्न होंगे, जबकि प्रश्न vi से x रिक्त स्थान की पूर्ति भरने वाले प्रश्न होंगे।
खंड B (40 अंक)': इसमें 5 प्रश्न होंगे (प्रत्येक इकाई से दो प्रश्न आंतरिक विकल्प के साथ)। प्रत्येक प्रश्न 8 अंकों का होगा। परीक्षार्थियों को सभी 5 प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। उत्तर 200 शब्दों से अधिक नहीं होना चाहिए।
खंड C (60 अंक)': इसमें 5 प्रश्न होंगे, प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न। प्रत्येक प्रश्न 20 अंकों का होगा। परीक्षार्थियों को किसी भी तीन प्रश्नों का उत्तर देना होगा, इन तीन प्रश्नों को विभिन्न इकाइयों से चुनना होगा। उत्तर 400 शब्दों से अधिक नहीं होना चाहिए।
**अध्ययन क्षेत्र**
1. राजस्थानी लोक संस्कृति का स्वरूप, विशेषताएं
2. संस्कार (सोलह संस्कार), व्रत, तीर्थ, मेला–मगरिया, उत्सव
3. राजस्थान के प्रमुख तीज त्यौहार, रीतिरिवाज, रहन–सहन, खान–पान
4. राजस्थान लोककला, लोकनृत्य, माण्डणा, उस्ता कला, मथेरन कला।
5. राजस्थानी वेशभूषा, आभूषण, खेतीबाड़ी संसाधन, जल संसाधन।

**नोट** इस प्रश्न पत्र हेतु पाठ्यसामग्री अभिप्रस्तावित ग्रन्थों से मिलेगी।

**प्रथम इकाई**
राजस्थानी लोक संस्कृति का स्वरूप, विशेषताएं
**द्वितीय इकाई**
संस्कार (सोलह संस्कार), व्रत, तीर्थ, मेला–मगरिया, उत्सव
**तृतीय इकाई**
राजस्थान के प्रमुख तीज त्यौहार, रीतिरिवाज, रहन–सहन, खान–पान
**चतुर्थ इकाई**
राजस्थान लोककला, लोकनृत्य, माण्डणा, उस्ता कला, मथेरन कला।

**पंचम इकाई**
राजस्थानी वेशभूषा, आभूषण, खेतीबाड़ी संसाधन, जल संसाधन–कुआँ, बावड़ी, तालाब आदि।

**अभिप्रस्तावित ग्रंथ**

| | |
|---|---|
| राजस्थानी लोक साहित्य का सैद्धांतिक विवेचन | : डॉ. सोहनदान चारण |
| राजस्थानी लोक नाट्य परम्परा एवं प्रवृत्तियां | : डॉ. महेन्द्र भानावत |
| लोक साहित्य विज्ञान | : डॉ. सत्येन्द्र |
| लोक साहित्य की भूमिका | : डॉ. कृष्णदेव उपाध्याय |
| भारतीय लोक वाड़गमय | : श्याम परमार |
| लोक धर्म | : वासुदेवशरण अग्रवाल |
| लोक साहित्य (व्याख्यान) | : झवेरचन्द मेघानी |
| राजस्थानी लोक साहित्य | : नानूराम संस्कर्ता |
| मध्यकालीन भारतीय संस्कृति | : गौरीशंकर हीराचन्द ओझा |

**पंचम प्रश्न पत्र : विशिष्ट साहित्यकार**

## कोर्स कोड – RAJ-DCC-T-306

**समयः– 3 घण्टे** **पूर्णांकः– 120+30**

**अंकन योजना**
यह योजना 150 अंकों की होगी। योजना निम्नलिखित हैः
**राजस्थानी कार्यक्रमों के लिए**

30 आंतरिक + 120 सैद्धांतिक = कुल 150

**नोट :** इस प्रश्न पत्र में 3 खण्ड निम्न प्रकार होंगे –
**परीक्षा का प्रारूप**
इस पाठ्यक्रम में 5 इकाइयाँ होंगी। प्रश्न पत्र में तीन खंड होंगे।
खंड A (20 अंक): इसमें 10 प्रश्न होंगे, प्रत्येक इकाई से दो प्रश्न। प्रत्येक प्रश्न 2 अंकों का होगा। सभी प्रश्न अनिवार्य होंगे। खंड A को इस प्रकार तैयार किया जाएगा कि प्रश्न i से v बहुविकल्पीय प्रश्न होंगे, जबकि प्रश्न vi से x रिक्त स्थान की पूर्ति भरने वाले प्रश्न होंगे।
खंड B (40 अंक)': इसमें 5 प्रश्न होंगे (प्रत्येक इकाई से दो प्रश्न आंतरिक विकल्प के साथ)। प्रत्येक प्रश्न 8 अंकों का होगा। परीक्षार्थियों को सभी 5 प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। उत्तर 200 शब्दों से अधिक नहीं होना चाहिए।
खंड C (60 अंक)': इसमें 5 प्रश्न होंगे, प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न। प्रत्येक प्रश्न 20 अंकों का होगा। परीक्षार्थियों को किसी भी तीन प्रश्नों का उत्तर देना होगा, इन तीन प्रश्नों को विभिन्न इकाइयों से चुनना होगा। उत्तर 400 शब्दों से अधिक नहीं होना चाहिए।
**अध्ययन क्षेत्र**
विशिष्ट साहित्यकार के अध्ययन के संबध में दो साहित्यकारों के व्यक्तित्व और कृतित्व को अध्ययन का आधार बनाया गया है। विद्यार्थी इन दो में से एक साहित्यकार का चयन करेंगे–
1. गणेशलाल व्यास 'उस्ताद' 2. मीरां बाई
**पाठ्यपुस्तकें**
प्रत्येक साहित्यकार के लिये निम्नांकित पाठ्यपुस्तकों का निर्धारण किया गया है, जिनमें से एक का अध्ययन करना होगा।
1. जनकवि उस्ताद : सं. रावत सारस्वत, रामेश्वर दयाल श्रीमाली, प्रकाशन राजस्थान भाषा प्रचार सभा, जयपुर।
2. मीरां पदावली– सं. शम्भूसिंह मनोहर (पद सं. 1 से 101 तक)

## कोर्स कोड – RAJ-DCC-T-306 (A)
## गणेशलाल व्यास 'उस्ताद'

**इकाई–1**
गणेशलाल व्यास 'उस्ताद' का जीवन परिचय एवं व्यक्तित्व का विश्लेषणात्मक अध्ययन।
**इकाई–2**
'उस्ताद' के समकालीन परिस्थितियों का अध्ययन।
**इकाई–3**
'उस्ताद' का जन कवि रूप (राष्ट्रभावना, राष्ट्रप्रेम, शोषण के विरूद्ध काव्य)।
**इकाई–4**
जनजागरण एवं जन चेतना के काव्य का अध्ययन (कृषक एवं मजदूर व नारी का काव्य)।

**इकाई–5**
आजादी के पश्चात की काव्य रचनाओं का अध्ययन एवं प्रगतिशील विचारधारा का अध्ययन।

**अभिप्रस्तावित ग्रंथ**
1. जनकवि उस्ताद : सं. रावत सारस्वत, रामेश्वर दयाल श्रीमाली, प्रकाशन राजस्थान भाषा प्रचार सभा, जयपुर।
2. कलम रो उस्ताद – विजयदान देथा
3. गणेशीलाल व्यास 'उस्ताद' व्यक्तित्व एवं कृतित्व : लक्ष्मीकान्त व्यास

# अथवा
## मीरा पदावली
### कोर्स कोड – RAJ-DCC-T-306 (B)

## (व्याख्या 1 से 101 तक पदों में से पूछी जाएगी।)
**इकाई–1**
जीवन परिचय एवं व्यक्तित्व का अध्ययन।
**इकाई–2**
सामाजिक, राजनैतिक एवं साहित्यिक परिस्थितियों का अध्ययन।
**इकाई–3**
मीरां की भक्ति भावना एवं कृष्ण भक्ति काव्य का समालोचनात्मक अध्ययन।
**इकाई–4**
मीरा पदावली के पदों का भाव परक अध्ययन।
**इकाई–5**
मीरां पदावली के पदों का आलोचनात्मक अध्ययन।
**अभिप्रस्तावित ग्रन्थ**
1. मीरां मुक्तावली : सं. नरोत्तमदास स्वामी
2. मीरां बृहद्पदावली : स्व. हरिनारायण पुरोहित
3. मीरा पदावली : सं. शम्भूसिंह मनोहर

# एम.ए. राजस्थानी
## सेमेस्टर चतुर्थ

**General Health and Hygiene**

## कोर्स कोर्ड – AEC-T-401

**परीक्षा एवं मूल्यांकन योजना :**

यह एक Non CGPA Course है। अतः विश्वविद्यालय द्वारा सैद्धान्तिक परीक्षा आयोजित नहीं की जायेगी। केवल महाविद्यालय स्तर पर छात्र का सतत आन्तरिक मूल्यांकन होगा और सत्रांत में एक आन्तरिक वाक्परीक्षा (Viva) करके मात्र ''सन्तोषजनक'' या ''असन्तोषजनक'' प्रत्यय (क्रेडेंशियल्स) ही विश्वविद्यालय को प्रेषित किया जायेगा।

**सत्र 2026–27**
**सेमेस्टर – चतुर्थ (Semester – IV Rajasthani)**
**प्रथम प्रश्न पत्र : आधुनिक राजस्थानी कविता**
## कोर्स कोड – RAJ-DCC-T-402

**समयः– 3 घण्टे** **पूर्णांकः– 120+30**
Credit: 05

**अंकन योजना**
यह योजना 150 अंकों की होगी। योजना निम्नलिखित है:
**राजस्थानी कार्यक्रमों के लिए**
30 आंतरिक + 120 सैद्धांतिक = कुल 150
**नोट :** इस प्रश्न पत्र में 3 खण्ड निम्न प्रकार होंगे –
**परीक्षा का प्रारूप**
इस पाठ्यक्रम में 5 इकाइयाँ होंगी। प्रश्न पत्र में तीन खंड होंगे।
खंड A (20 अंक): इसमें 10 प्रश्न होंगे, प्रत्येक इकाई से दो प्रश्न। प्रत्येक प्रश्न 2 अंकों का होगा। सभी प्रश्न अनिवार्य होंगे। खंड A को इस प्रकार तैयार किया जाएगा कि प्रश्न i से v बहुविकल्पीय प्रश्न होंगे, जबकि प्रश्न vi से x रिक्त स्थान की पूर्ति भरने वाले प्रश्न होंगे।
खंड B (40 अंक)': इसमें 5 प्रश्न होंगे (प्रत्येक इकाई से दो प्रश्न आंतरिक विकल्प के साथ)। प्रत्येक प्रश्न 8 अंकों का होगा। परीक्षार्थियों को सभी 5 प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। उत्तर 200 शब्दों से अधिक नहीं होना चाहिए।
खंड C (60 अंक)': इसमें 5 प्रश्न होंगे, प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न। प्रत्येक प्रश्न 20 अंकों का होगा। परीक्षार्थियों को किसी भी तीन प्रश्नों का उत्तर देना होगा, इन तीन प्रश्नों को विभिन्न इकाइयों से चुनना होगा। उत्तर 400 शब्दों से अधिक नहीं होना चाहिए।
**अध्ययन क्षेत्र**
1. आधुनिक राजस्थानी काव्य परम्परा का अध्ययन।
2. आधुनिक काल की प्रारंभिक महत्त्वपूर्ण रचनाओं का विस्तृत अध्ययन।
3. भाव, भाषा एवं शिल्प के बदलते स्वरूप के आधार पर आधुनिक रचनाओं का आलोचनात्मक अध्ययन ।

**पाठ्यपुस्तकें**
1. राधा : सत्य प्रकाश जोशी
2. लीलटांस : कन्हैयालाल सेठिया

**प्रथम इकाई**
आधुनिक राजस्थानी काव्य परम्परा का अध्ययन।
**द्वितीय इकाई**
राधा : सत्य प्रकाश जोशी से व्याख्या

**तृतीय इकाई**
लीलटांस : कन्हैयालाल सेठिया से व्याख्या।
**चतुर्थ इकाई**
राधा : सत्य प्रकाश जोशी का व्यक्तित्व, कृतित्व एवं आलोचनात्मक अध्ययन।
**पंचम इकाई**
लीलटांस : कन्हैयालाल सेठिया का व्यक्तित्व, कृतित्व एवं आलोचनात्मक अध्ययन।

**अभिप्रस्तावित ग्रंथ**

1. राधा : सत्य प्रकाश जोशी, राजस्थानी ग्रन्थागार, जोधपुर।
2. लीलटांस : कन्हैयालाल सेठिया, कलकत्ता ।
3. परम्परा : सूर्यमल्ल मीसण विशेषांक तथा हेमांणी अंक ।
   प्रकाशक : राजस्थानी शोध संस्थान, चौपासनी, जोधपुर ।
4. राजस्थानी की श्रेष्ठ कृतियां : माधोसिंह इंदा ।
5. निबन्ध सबरंग : डॉ. गौरीशंकर प्रजापत – सूर्य प्रकाशन मन्दिर, बीकानेर

**द्वितीय प्रश्न पत्र : आधुनिक राजस्थानी गद्य – निबन्ध एवं नाटक**

**कोर्स कोड – RAJ-DCC-T-403**

**समयः– 3 घण्टे** **पूर्णांकः– 120+30**
Credit: 05

**अंकन योजना**
यह योजना 150 अंकों की होगी। योजना निम्नलिखित है:
**राजस्थानी कार्यक्रमों के लिए**
30 आंतरिक + 120 सैद्धांतिक = कुल 150
**नोट :** इस प्रश्न पत्र में 3 खण्ड निम्न प्रकार होंगे –
**परीक्षा का प्रारूप**
इस पाठ्यक्रम में 5 इकाइयाँ होंगी। प्रश्न पत्र में तीन खंड होंगे।
खंड A (20 अंक): इसमें 10 प्रश्न होंगे, प्रत्येक इकाई से दो प्रश्न। प्रत्येक प्रश्न 2 अंकों का होगा। सभी प्रश्न अनिवार्य होंगे। खंड A को इस प्रकार तैयार किया जाएगा कि प्रश्न i से v बहुविकल्पीय प्रश्न होंगे, जबकि प्रश्न vi से x रिक्त स्थान की पूर्ति भरने वाले प्रश्न होंगे।
खंड B (40 अंक)': इसमें 5 प्रश्न होंगे (प्रत्येक इकाई से दो प्रश्न आंतरिक विकल्प के साथ)। प्रत्येक प्रश्न 8 अंकों का होगा। परीक्षार्थियों को सभी 5 प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। उत्तर 200 शब्दों से अधिक नहीं होना चाहिए।
खंड C (60 अंक)': इसमें 5 प्रश्न होंगे, प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न। प्रत्येक प्रश्न 20 अंकों का होगा। परीक्षार्थियों को किसी भी तीन प्रश्नों का उत्तर देना होगा, इन तीन प्रश्नों को विभिन्न इकाइयों से चुनना होगा। उत्तर 400 शब्दों से अधिक नहीं होना चाहिए।
**अध्ययन क्षेत्र**

1. आधुनिक राजस्थानी गद्य परम्परा का अध्ययन।
2. आधुनिक गद्य विधाओं में निबंध, नाटक, उपन्यास, कहानी, रेखाचित्र एवं आदि साहित्य का विशिष्ट अध्ययन।

**पाठ्यपुस्तकें**
1. मेवै रा रूंख ? : अन्नाराम सुदामा
2. आज री राजस्थानी कहाणियां : रावत सारस्वत, प्रेमजी 'प्रेम' साहित्य अकादेमी, नई दिल्ली। (पाठ्यक्रम में (कहानी सं.) 3, 4, 10, 12, 15, 16, 18, 22, 23, 24, 27, 28) कहानियां – मास्टरजी, 4. गीतां रो बावळियो, 10. भारत भाग्यविधाता, 12. खजानो, 15, तगादो, 16. करड़ी आंच, 18. बरसगांठ, 22. संजीवण, 23. रजपूताणी, 24. अलेखूं हिटलर, 27.अमर मिनख, 28.सुकड़ीजता आंगणा)
**प्रथम इकाई**
आधुनिक राजस्थानी गद्य परम्परा एवं गद्य विधाओं का अध्ययन।
**द्वितीय इकाई**
मेवै रा रूंख ? : अन्नाराम सुदामा से व्याख्या।
**तृतीय इकाई**
आज री राजस्थानी कहाणियां : रावत सारस्वत, प्रेमजी 'प्रेम' से व्याख्या।
**चतुर्थ इकाई**
मेवै रा रूंख ? : अन्नाराम सुदामा का व्यक्तित्व, कृतित्व एवं आलोचनात्मक अध्ययन।

**पंचम इकाई**
आज री राजस्थानी कहाणियां : रावत सारस्वत, प्रेमजी 'प्रेम' का व्यक्तित्व, कृतित्व एवं आलोचनात्मक अध्ययन।

**अभिप्रस्तावित ग्रंथ**

1. मेवै रा रूंख ? : अन्नाराम सुदामा
2. आज री राजस्थानी कहाणियां : रावत सारस्वत, प्रेमजी 'प्रेम' साहित्य अकादेमी, नई दिल्ली।
3. आधुनिक राजस्थानी साहित्य प्रेरणा, स्रोत और प्रवृत्तिया : डॉ. किरण नाहटा,
   प्रकाशक : चिन्मय प्रकाशन, जयपुर
5. पोथी दर पोथी : डॉ. किरण नाहटा ।
6. राजस्थानी उपन्यास एक विवेचना – जितेन्द्र निर्मोही, इंडिया नेट बुक्स प्राइवेट लिमिटेड, नोएडा
7. राजस्थानी कहाणी इतिहास अर आळोच – डॉ. चेतन स्वामी, धनावंशी प्रकाशन, श्रीडूंगरगढ़
8. राजस्थानी कहानी : परम्परा–विकास : डॉ. अर्जुन देव चारण, राजस्थानी साहित्य संस्थान, जोधपुर
9. बिना हासल पाई – डॉ. नीरज दइया, सर्जन, शिवबाड़ी रोड़, बीकानेर
10. आंगळी –सीध – डॉ. नीरज दइया, सूर्य प्रकाशन मन्दिर, बीकानेर

## तृतीय प्रश्न पत्रः पाश्चात्य काव्य शास्त्र एवं पाठालोचन
## कोर्स कोड – RAJ-DCC-T-404

**समयः– 3 घण्टे** **पूर्णांकः– 120+30**
Credit: 05

**अंकन योजना**
यह योजना 150 अंकों की होगी। योजना निम्नलिखित है:
**राजस्थानी कार्यक्रमों के लिए**

30 आंतरिक + 120 सैद्धांतिक = कुल 150

**नोट :** इस प्रश्न पत्र में 3 खण्ड निम्न प्रकार होंगे –
**परीक्षा का प्रारूप**
इस पाठ्यक्रम में 5 इकाइयाँ होंगी। प्रश्न पत्र में तीन खंड होंगे।
खंड A (20 अंक): इसमें 10 प्रश्न होंगे, प्रत्येक इकाई से दो प्रश्न। प्रत्येक प्रश्न 2 अंकों का होगा। सभी प्रश्न अनिवार्य होंगे। खंड A को इस प्रकार तैयार किया जाएगा कि प्रश्न i से v बहुविकल्पीय प्रश्न होंगे, जबकि प्रश्न vi से x रिक्त स्थान की पूर्ति भरने वाले प्रश्न होंगे।
खंड B (40 अंक)': इसमें 5 प्रश्न होंगे (प्रत्येक इकाई से दो प्रश्न आंतरिक विकल्प के साथ)। प्रत्येक प्रश्न 8 अंकों का होगा। परीक्षार्थियों को सभी 5 प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। उत्तर 200 शब्दों से अधिक नहीं होना चाहिए।
खंड C (60 अंक)': इसमें 5 प्रश्न होंगे, प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न। प्रत्येक प्रश्न 20 अंकों का होगा। परीक्षार्थियों को किसी भी तीन प्रश्नों का उत्तर देना होगा, इन तीन प्रश्नों को विभिन्न इकाइयों से चुनना होगा। उत्तर 400 शब्दों से अधिक नहीं होना चाहिए।

**अध्ययन क्षेत्र**

1. भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्रीय सिद्धान्तों का अध्ययन।
2. विभिन्न काव्यरूपों का अध्ययन।
3. राजस्थानी काव्यशास्त्र और छन्दशास्त्र एवं अलंकार, काव्य रूपों का अध्ययन।
4. पाठालोचन के सिद्धान्त एवं पाठसम्पादन की प्रक्रिया का अध्ययन।

**नोटः**–इस प्रश्न पत्र हेतु पाठ्यसामग्री अभिप्रस्तावित ग्रंथों से प्राप्त की जा सकेगी।

**इकाई 1**
भारतीय एवं पाश्चात्य दृष्टि से साहित्य के तत्त्व, काव्य की मूल प्रेरणा और प्रयोजन।
**इकाई 2**
अरस्तू से काव्य सिद्धान्त (अनुकृति सिद्धान्त, विरेचन सिद्धान्त एवं काव्यरूपों का विवेचन), क्रोच का अभिव्यंजनावाद, आई.ए.रिचर्ड्स के काव्य सिद्धान्त (मूलसिद्धान्त)
**इकाई 3**
राजस्थानी छन्दशास्त्र का परिचय, अलंकार, काव्य–रूप (रास, रासो, फागु, वेलि, चरचरी, बारहमासा), विवाहलो (ब्यावलो), हियाळी, सलोका
**इकाई 4**
राजस्थानी काव्य–रस, काव्य–दोष, काव्य भेद–प्रभेद, महाकाव्य, प्रबन्ध काव्य, खण्ड काव्य, मुक्तक काव्य

**इकाई 5**
पाठालोचन का स्वरूप, सिद्धान्त एवं पाठ सम्पादन।

**अभिप्रस्तावित ग्रन्थ**

| | | | |
|---|---|---|---|
| 1. | रस मीमांसा | : | रामचन्द्र शुक्ल |
| 2. | भारतीय साहित्य शास्त्र | : | डॉ. मिथलेश तथा विमलेश कान्ति |
| 3. | साहित्य शास्त्र री ओळखाण | : | डॉ.गौरी शंकर प्रजापत |
| 4. | काव्यशास्त्र एक भारतीय दीठ | : | डॉ. वेंकट शर्मा |
| 5. | समीक्षा सिद्धान्त | : | डॉ. राम प्रकाश |
| 6. | सिरजण री साख | : | डॉ. मदन सैनी |
| 7. | भारतीय पाठालोचन की भूमिका | : | डॉ. एस. एस. कत्रे |
| 8. | रघुवर जस प्रकास | : | किसना आढा प्रकाशक : राजस्थान प्राच्य विद्या प्रतिष्ठान, जोधपुर |
| 9. | राजस्थानी साहित्य मीमांसा | : | डॉ. माधेसिंह इंदा |
| 10. | प्राचीन काव्यों की रूप परम्परा | : | अगरचन्द नाहटा, भारतीय विद्या मन्दिर, शोध प्रतिष्ठान, बीकानेर |

## चतुर्थ प्रश्न पत्र : विशिष्ट साहित्यकार
## कोर्स कोड – RAJ-DCC-T-405

**समयः– 3 घण्टे** **पूर्णांकः– 120+30**

**अंकन योजना**
यह योजना 150 अंकों की होगी। योजना निम्नलिखित हैः
**राजस्थानी कार्यक्रमों के लिए**
30 आंतरिक + 120 सैद्धांतिक = कुल 150

**नोट :** इस प्रश्न पत्र में 3 खण्ड निम्न प्रकार होंगे –
**परीक्षा का प्रारूप**
इस पाठ्यक्रम में 5 इकाइयाँ होंगी। प्रश्न पत्र में तीन खंड होंगे।
खंड A (20 अंक): इसमें 10 प्रश्न होंगे, प्रत्येक इकाई से दो प्रश्न। प्रत्येक प्रश्न 2 अंकों का होगा। सभी प्रश्न अनिवार्य होंगे। खंड A को इस प्रकार तैयार किया जाएगा कि प्रश्न i से v बहुविकल्पीय प्रश्न होंगे, जबकि प्रश्न vi से x रिक्त स्थान की पूर्ति भरने वाले प्रश्न होंगे।
खंड B (40 अंक)': इसमें 5 प्रश्न होंगे (प्रत्येक इकाई से दो प्रश्न आंतरिक विकल्प के साथ)। प्रत्येक प्रश्न 8 अंकों का होगा। परीक्षार्थियों को सभी 5 प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। उत्तर 200 शब्दों से अधिक नहीं होना चाहिए।
खंड C (60 अंक)': इसमें 5 प्रश्न होंगे, प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न। प्रत्येक प्रश्न 20 अंकों का होगा। परीक्षार्थियों को किसी भी तीन प्रश्नों का उत्तर देना होगा, इन तीन प्रश्नों को विभिन्न इकाइयों से चुनना होगा। उत्तर 400 शब्दों से अधिक नहीं होना चाहिए।

**अध्ययन क्षेत्र**
विशिष्ट साहित्यकार के अध्ययन के संबध में दो साहित्यकारों के व्यक्तित्व और कृतित्व को अध्ययन का आधार बनाया गया है। विद्यार्थी इन दो में से एक साहित्यकार का चयन करेंगे–
1. ईसरदास बारहठ 2. भक्तिमति समान बाई

**पाठ्यपुस्तकें**
प्रत्येक साहित्यकार के लिये निम्नाकिंत पाठ्यपुस्तकों का निर्धारण किया गया है, जिनमें से एक का अध्ययन करना होगा।
1. हरिरस : ईसरदास (कुल 1से 50 पद केवल व्याख्या हेतु)
2. भक्तिमति समान बाई

# हरिरस : ईसरदास
## कोर्स कोड – RAJ-DCC-T-406 (A)

1. हरिरस : ईसरदास (कुल 1से 50 पद केवल व्याख्या हेतु)
**इकाई – 1**
ईसरदास बारहठ का जीवन परिचय एवं चरित्र का अध्ययन।

**इकाई – 2**
ईसरदास बारहठ की रचना प्रक्रिया, कृतित्व एवं सृजन का विश्लेषणात्मक अध्ययन।
**इकाई–3**
ईसरा परमेसरा के हरिरस का व्याख्या परक अध्ययन।
**इकाई–4**
हरिदास का आलोचनात्मक अध्ययन।
**इकाई–5**
भक्तवर ईसरदास की अन्य रचनाओं का आलोचनात्मक अध्ययन।
**अभिप्रस्तावित ग्रन्थ**
1. ईसरदास बाहरठ : (विनिबंध) प्रकाशक साहित्य अकादेमी, नई दिल्ली
2. झालां झालां रा कुण्डलिया : डॉ. मोतीलाल मेनारिया, द्विवेदी पुस्तक भण्डार, उदयपुर।
3. हरिरस : ईसरदास बारहठ : राजस्थानी ग्रन्थागार, जोधपुर

## अथवा
## भक्तिमति समान बाई
## कोर्स कोड – RAJ-DCC-T-406 (B)
## (व्याख्या कृष्ण भक्ति पद एवं वैवाहिक गीतों में से पूछी जाएगी)

**इकाई –1**
जीवन परिचय एवं व्यक्तित्व का अध्ययन।
**इकाई –2**
सामाजिक राजनैतिक एवं साहित्यिक परिस्थितियों का अध्ययन
**इकाई –3**
समान बाई की भक्ति भावना एवं कृष्ण काव्य का आलोचनात्मक अध्ययन।
**इकाई – 4**
भक्ति कवयित्री समान बाई के वैवाहिक गीतों का समालोचनात्मक अध्ययन।
**इकाई –5**
भक्त कवयित्री समान बाई के समग्र पदों का आलोचनात्मक अध्ययन।

**अभिप्रस्तावित ग्रन्थ**
1. भक्तिमति समान बाई, जीवन और काव्य : सं. मंजुला बारहठ, कमला प्रकाशन, बी–1, सांई विला, सुदर्शना नगर, बीकानेर

**पंचम प्रश्न पत्र : निबंध / लघुशोध / पाठ सम्पादन**

## कोर्स कोड – RAJ-DCC-T-407 (A)

**समयः 3 घण्टे**

**निबंध**

निर्देश (1)– इस प्रश्न में दस में से किसी एक साहित्यिक विषय पर निबंध लिखना होगा।
निर्देश (2)– यह निबंध राजस्थानी भाषा में ही लिखना होगा।

**अथवा**

**लघुशोध प्रबंध**

## कोर्स कोड – RAJ-DCC-T-407 (B)

लघुशोध प्रबंध लिखने की अनुमति उसी नियमित विद्यार्थी को दी जाएगी, जिसने एम ए. परीक्षा में 55 प्रतिशत अथवा अधिक अंक प्राप्त किये हों ।

लघुशोध प्रबंध हेतु विद्यार्थी को टंकित 150 पृष्ठों में लघुशोध प्रस्तुत करना होगा। इस शोध प्रबंध का माध्यम भी राजस्थानी ही होगा। लघु शोध प्रबंध किसी अनुभवी राजस्थानी विषय प्राध्यापक के निर्देशन में तैयार किया जाएगा, जिसके लिये एक विषय निर्धारित किया जाएगा, जो राजस्थानी साहित्य से संबधित होना चाहिये।

**अथवा**

**पाठ सम्पादन**

## कोर्स कोड – RAJ-DCC-T-407 (C)

इस प्रश्न पत्र को वे ही नियमित छात्र दे सकेंगे, जिनके 60 प्रतिशत अथवा अधिक अंक होंगे। पाठ सम्पादन कार्य हेतु विषय निर्धारण एवं मार्गदर्शन हेतु महाविद्यालय के राजस्थानी विषय प्राध्यापक के मार्गदर्शन में ही कार्य करना होगा। पाठ सम्पादन हेतु वही हस्तलिखित ग्रन्थ स्वीकृत होगा, जिसके कम से कम 20 पृष्ठ हों तथा हस्तलिखित दो प्रतियां उपलब्ध हों। सम्पादन की पुष्टि के लिये हस्तलिखित प्रतियों के कुछ पृष्ठों की फोटो प्रति भी सम्पादन के साथ संलग्न किया जाना आवश्यक होगा। सम्पादन का कार्य राजस्थानी में ही किया जाना है।